सत्र २०१०-२०११ प्री पीएच०डी० कोर्स

एम० फिल० हिंदी : प्रथम सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न पत्र

शोध-प्रविधि और प्रक्रिया

समय : ३ घण्टे

पूर्णांक : १०० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : २० अंक
लिखित परीक्षा : ८० अंक

खण्ड क

शोध का स्वरूप : सैद्धान्तिक पक्ष

शोध : व्युत्पत्ति, परिभाषा और स्वरूप
शोध : तत्व, क्षेत्र, दृष्टि, पद्धति, उपस्थापन
शोध के प्रयोजन
शोध और आलोचना

खण्ड ख

शोध के प्रकार

साहित्यिक शोध
अन्तरविद्यावर्ती शोध (मनोवैज्ञानिक, समाजशास्त्रीय, सौन्दर्यशास्त्रीय एवं भाषा शास्त्रीय शोध)
लोक साहित्यिक शोध
तुलनात्मक शोध

खण्ड ग

विषय-चयन तथा शोध-विधि

विषय–चयन : सर्वेक्षण, समालोचन एवं निर्धारण
शोध–क्षेत्र तथा शोध दृष्टि के आधार पर विषयों के प्रकार
रूपरेखा निर्माण की वैज्ञानिक पद्धति
सामग्री संकलन–विभिन्न पद्धतियॉं (हस्तलेखों का संकलन, प्रश्नावली, साक्षात्कार आदि)
संकलित सामग्री की उपयोग विधि

खण्ड घ

विषय-प्रतिपादन की पद्धति

सामग्री का विभाजन तथा संयोजन (अध्याय, उपशीर्षक और अनुपात)
तर्क–पद्धति, निरूपण तथा तत्वान्वेषण

प्रामाणिकता : अन्तःसाक्ष्य तथा बहिःसाक्ष्य
उद्धरण तथा सन्दर्भोल्लेख (पाद टिप्पणी लेखन)
भूमिका, उपसंहार लेखन
परिशिष्ट (अतिरिक्त आवश्यक सूचनात्मक सामग्री)

क संदर्भ ग्रंथ सूची
ख पत्र–व्यवहार और अन्य उल्लेख
ग विषयों, नामों की अनुक्रमणिका, अन्य सामग्री (चित्र–स्केच) आदि प्रस्तुत करने की विधियाँ

सहायक ग्रंथ

१ साहित्यिक शोध के आयाम–डॉ० शशि भूषण सिंहल, आर्य बुक डिपो, करोल बाग, नई दिल्ली ।
२ शोध स्वरूप एवं मानक व्यावहारिक कार्यविधि–डॉ० बैजनाथ सिंहल, दि मैकमिलन ऑफ इण्डिया लिमि० दिल्ली ।
३ संभावना पत्रिका (शोध विशेषांक) कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरूक्षेत्र ।
४ अनुसंधान–सत्येन्द्र, नन्द किशोर एण्ड ब्रदर्स, वाराणसी ।
५ शोध–प्रविधि, डॉ० विनय मोहन शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।
६ शोध–प्रविधि, डॉ० हरिश्चन्द्र वर्मा, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला ।

<u>निर्देश :</u>

- पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक खण्ड में से दो–दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमे से परीक्षार्थी को एक–एक प्रश्न करना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए २० अंक निर्धारित हैं।

- आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा हेतु परीक्षार्थी को किसी एक निर्धारित विषय पर आलेख एवं सेमिनार प्रस्तुत करना होगा । दोनों के लिए १०–१० अंक निर्धारित हैं ।

पूर्व पीएच० डी० कोर्स

एम० फिल० हिंदी : प्रथम सेमेस्टर

द्वितीय प्रश्न पत्र

हिंदी साहित्य की वैचारिक पीठिका

समय : ३ घण्टे

पूर्णांक : १०० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : २० अंक
लिखित : ८० अंक

खंड क

मध्ययुगीन बोध और आधुनिक बोध : विविध पक्ष

- मध्ययुगीनता की अवधारणा
- मध्ययुगीन बोध का पृष्ठाधार
- आधुनिक बोध और मध्ययुगीन बोध : साम्य–वैषम्य
- आधुनिक बोध का स्वरूप
- आधुनिक बोध और औद्योगिक संस्कृति
- राष्ट्रीयता और अन्तरराष्ट्रीयता
- पुनर्जागरण, पुनरूत्थान और हिंदी लोक जागरण
- राष्ट्रीय स्वाधीनता आंदोलन और हिन्दी साहित्य

खंड ख

हिंदी साहित्य की वैचारिक पीठिका

- अद्वैतवाद
- शुद्धाद्वैतवाद
- विशिष्टाद्वैतवाद
- गांधीवाद
- मार्क्सवाद
- मनोविश्लेषणवाद
- अस्तित्ववाद
- अन्तश्चेतनावाद

सहायक पुस्तकें

१	हिंदी साहित्य का इतिहास	डॉ० रामचन्द्र शुक्ल
२	हिंदी साहित्य की भूमिका	डॉ० हजारी प्रसाद द्विवेदी
३	हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास	डॉ० गणपतिचन्द्रगुप्त
४	हिंदी साहित्य की सामाजिक पृष्ठभूमि	डॉ० शंभूनाथ सिंह
५	हिंदी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि	डॉ० लाल चंद गुप्त 'मंगल'

६ साहित्यिक शोध के आयाम–डॉ० शशि भूषण सिंहल, आर्य बुक डिपो, करोल बाग, नई दिल्ली ।

७ शोध स्वरूप एवं मानक व्यावहारिक कार्यविधि–डॉ० बैजनाथ सिंहल, दि मैकमिलन ऑफ इण्डिया लिमि० दिल्ली ।

८ संभावना पत्रिका (शोध विशेषांक) कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरूक्षेत्र ।

६ अनुसंधान–सत्येन्द्र, नन्द किशोर एण्ड ब्रदर्स, वाराणसी ।

१० शोध–प्रविधि, डॉ० विनय मोहन शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।

११ शोध–प्रविधि, डॉ० हरिश्चन्द्र वर्मा, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला ।

<u>निर्देश :</u>

- पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक खण्ड में से चार–चार प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमे से परीक्षार्थी को दो–दो प्रश्न करने होंगे । प्रत्येक प्रश्न के लिए २० अंक निर्धारित हैं।
- आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा हेतु परीक्षार्थी को किसी एक निर्धारित विषय पर आलेख एवं सेमिनार प्रस्तुत करना होगा । दोनों के लिए १०–१० अंक निर्धारित हैं ।

एम० फिल० हिंदी : द्वितीय सेमेस्टर
प्रथम प्रश्न पत्र
हिंदी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि

समय : ३ घण्टे

पूर्णांक : १०० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : २० अंक
लिखित : ८० अंक

भारतीय संवैधानिक व्यवस्था और साहित्य

- राष्ट्रीय स्वतन्त्रता आन्दोलन
- लोकतंत्र
- समाजवाद
- पंथ निरपेक्षता

साहित्य के समकालीन विमर्श तथा साहित्य का अन्तर्विधात्मक अनुशीलन

- दलित विमर्श
- स्त्री विमर्श
- इतिहास बोध
- आंचलिकता तथा महानगरीय बोध
- साहित्य का समाजशास्त्र
- साहित्येतिहास
- साहित्य का मनोवैज्ञानिक अध्ययन
- साहित्य का भाषा वैज्ञानिक अध्ययन
- साहित्य का सांस्कृतिक अध्ययन

सहायक ग्रंथ :

१ हिंदी साहित्य का इतिहास : डॉ० रामचन्द्र शुक्ल
२ हिंदी साहित्य की भूमिका : डॉ० हजारी प्रसाद द्विवेदी
३ हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास : डॉ० गणपतिचन्द्र गुप्त
४ हिंदी साहित्य की सामाजिक पृष्ठभूमि : डॉ० शंभूनाथ सिंह
५ भारतीय दर्शन : डॉ० देवकी प्रसाद चट्टोपाध्याय
६ दर्शन शास्त्र का इतिहास : डॉ० देवराज

७ भारतीय दर्शन : डॉ० बलदेव उपाध्याय

८ शुद्ध कविता की खोज : दिनकर

९ साहित्यानुशीलन–४
अंतीविद्यावर्ती शोध, संपा० डॉ० शशि भूषण सिंहल

१० उत्तर आधुनिकतावाद : जगदीश्वर चतुर्वेदी

११ परम्परा और आधुनिकता : कमलेश अवस्थी

१२ हिंदी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि : डॉ० लालचंद गुप्त 'मंगल'

निर्देश -

- पूरे पाठ्यक्रम में से आठ आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमे से परीक्षार्थी को कोई चार प्रश्न करने होंगे । प्रत्येक प्रश्न के लिए २० अंक निर्धारित हैं।

- आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा हेतु परीक्षार्थी को किसी एक निर्धारित विषय पर दो बार आलेख (Assignment) एवं सेमिनार प्रस्तुत करना होगा । आलेख एवं सेमिनार दोनों के लिए १०–१० अंक निर्धारित हैं ।

एम० फिल० हिंदी : प्रथम सेमेस्टर
तृतीय प्रश्नपत्र
साहित्य सिद्धान्तों का अध्ययन

समय : ३ घण्टे

पूर्णांक : १०० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : २० अंक
लिखित परीक्षा : ८० अंक

(क) विषय प्रवेश

- साहित्यशास्त्र : स्वरूप, क्षेत्र और प्रयोजन
- संस्कृत काव्यशास्त्र के विकास की रूपरेखां
- पाश्चात्य काव्यशास्त्र के विकास की रूपरेखा

(ख) भारतीय साहित्य सिद्धान्त

- रस सिद्धान्त का काव्यशास्त्र और मनोविज्ञानशास्त्र के संदर्भ में विवेचन
- आधुनिक काव्य के संदर्भ में रस सिद्धान्त का मूल्यांकन
- अलंकार सिद्धांत
- ध्वनि सिद्धांत
- रीति सिद्धांत
- वक्रोक्ति सिद्धांत
- औचित्य सिद्धांत

(ग) पाश्चात्य काव्य सिद्धांत

- प्रेरणा सिद्धांत
- अनुकरण सिद्धांत
- औदात्य सिद्धांत
- कल्पनावाद
- आभिजात्यवाद
- स्वच्छन्दतावाद
- अभिव्यंजनावाद

सहायक पुस्तकें

१ भारतीय काव्य–शास्त्र की भूमिका : सम्पादक डॉ० नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली ।

२ संस्कृत आलोचना–बलदेव उपाध्याय : प्रकाशन ब्यूरो, सूचना विभाग, उत्तर प्रदेश ।

३ साहित्य विज्ञान : डॉ० गणपति चन्द्र गुप्त, भारतेन्दु प्रकाशन, दिल्ली ।

४ हिंदी काव्य शास्त्र में रस–सिद्धांत : डॉ० सच्चिदानन्द चौधरी, अनुसंधान प्रकाशन, दिल्ली ।
५ रस–सिद्धान्त : डॉ० नगेन्द्र, नैशनल पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली ।
६ हिंदी काव्य शास्त्र में कविता का स्वरूप : विकास–डॉ० पुष्पा बंसल ।
७ रस–सिद्धान्त का पुनर्विवेचन : डॉ० गणपति चन्द्र गुप्त, नैशनल पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली ।
८ पाश्चात्य काव्य–शास्त्र : सिद्धान्त और वाद : सम्पादक–डॉ० नगेन्द्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, दिल्ली ।
९ पाश्चात्य काव्य–शास्त्र : दृष्टि और दर्शन : डॉ० पुष्पा बंसल, आर्य बुक डिपो, नई दिल्ली ।
१० समीक्षालोक : डॉ० भगीरथ दीक्षित, समुदाय प्रकाशन, बम्बई ।
११ नीति विज्ञान : डॉ० विद्या निवास मिश्र, राधा कृष्ण प्रकाशन, दिल्ली ।
१२ शैली विज्ञान : डॉ० नगेन्द्र, नैशनल पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली ।
१३ संस्कृत काव्य शास्त्र : कोण और दिशाएँ : डॉ० पुष्पा बंसल, आर्य बुक डिपो, नई दिल्ली ।

<u>निर्देश -</u>

- पूरे पाठ्यक्रम में से आठ आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमे से परीक्षार्थी को कोई चार प्रश्न करने होंगे । प्रत्येक खण्ड में से कम से कम एक प्रश्न करना अनिवार्य है । प्रत्येक प्रश्न के लिए २० अंक निर्धारित हैं।
- आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा हेतु परीक्षार्थी को किसी एक निर्धारित विषय पर आलेख एवं सेमिनार प्रस्तुत करना होगा । दोनों के लिए १०–१० अंक निर्धारित हैं ।

एम० फिल० हिंदी : द्वितीय सेमेस्टर

प्रथम प्रश्नपत्र

हिन्दी आलोचना

समय : ३ घण्टे

पूर्णांक : १०० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : २० अंक
लिखित परीक्षा : ८० अंक

१ हिंदी आलोचना की अस्मिता

२ रीतिकालीन कवियों का आचार्यत्व
प्रमुख आचार्य–केशवदास, देव, मतिराम, भूषण, भिखारी दास

३ रसवादी आलोचना : आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नंददुलारे वाजपेयी, नगेन्द्र

४ छायावादी कवियों का साहित्य चिंतन : प्रसारद, पंत, निराला, महादेवी वर्मा

५ मार्क्सवादी आलोचना और डॉ० रामविलास शर्मा

६ मानवतावादी आलोचना और आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी

७ हिंदी के समकालीन आलोचक : अज्ञेय, मुक्तिबोध, नामवर सिंह

संदर्भ-ग्रन्थ

१ अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या/रामस्वरूप चतुर्वेदी/लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

२ आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और हिंदी आलोचना/रामविलास शर्मा/राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

३ काव्यकला तथा अन्य निबन्ध/जयशंकर प्रसाद/प्रसाद प्रकाशन मंदिर, वाराणसी ।

४ कवि–दृष्टि/अज्ञेय, सं० रामस्वरूप चतुर्वेदी/लोकभारती, इलाहाबाद ।

५ कविता के नए प्रतिमान/नामवर सिंह/राजकमल प्रकाश, नई दिल्ली ।

६ कामायनी का पुनर्मूल्यांकन/रामस्वरूप चतुर्वेदी/लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

७ दूसरी परम्परा की खोज/नामवर सिंह/राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।

८ रामचन्द्र शुक्ल/मलयज/राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।

६ रामचन्द्र शुक्ल संचयन/सं० नामवर सिंह/साहित्य अकादमी, नई दिल्ली।

१० रामचन्द्र शुक्ल–आलोचना का अर्थ : अर्थ की आलोचना/रामस्वरूप चतुर्वेदी/लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

११ वाद–विवाद–संवाद/नामवर सिंह/राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।

१२ साहित्यकार की आस्था तथा अन्य निबन्ध/महादेवी वर्मा/लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

१३ हिंदी आलोचना के सैद्धांतिक आधार, कृष्णदत्त पालीवाल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

१४ हिंदी काव्यशास्त्र का इतिहास/भागीरथ मिश्र/हिंदी विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।

१५ हिंदी आलोचना/विश्वनाथ त्रिपाठी/राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।

१६ हिंदी आलोचना की बीसवीं सदी/निर्मला जैन/राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।

निर्देश

- पूरे पाठ्यक्रम में से आठ प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमे से परीक्षार्थी को चार प्रश्न करने होंगे । प्रत्येक प्रश्न के लिए २० अंक निर्धारित हैं।
- आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा हेतु परीक्षार्थी को किसी एक निर्धारित विषय पर आलेख एवं सेमिनार प्रस्तुत करना होगा । दोनों के लिए १०–१० अंक निर्धारित हैं ।

एम० फिल० हिंदी : द्वितीय सेमेस्टर
तृतीय प्रश्नपत्र : लघु शोध प्रबन्ध

परीक्षार्थी को विभागीय समिति द्वारा आवंटित किए गए शोध–विषय पर लगभग सौ टंकित पृष्ठों का लघु शोध प्रबन्ध शोध निर्देशक के निर्देशन में लिखना होगा । लघु शोध प्रबन्ध का मूल्यांकन दो चरणों में होगा । प्रथम चरण में लघु शोध प्रबन्ध का बाह्य परीक्षक द्वारा मूल्यांकन किया जाएगा तथा द्वितीय चरण में बाह्य परीक्षक द्वारा विभागीय समिति के समक्ष मौखिकी परीक्षा होगी । यह प्रश्नपत्र २०० अंक का होगा । लघु शोध–प्रबंध के मूल्यांकन हेतु १५० अंक तथा मैखिकी परीक्षा हेतु ५० अंक निर्धारित हैं ।

एम०फिल० द्वितीय सेमेस्टर
द्वितीय प्रश्न पत्र विकल्प (i)
स्त्री--विमर्श

समय : ३ घण्टे

पूर्णांक : १०० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : २० अंक
लिखित : ८० अंक

पाठ्य विषयः

- स्त्री–विमर्श : परिभाषा एवं स्वरूप
- पितृसत्तात्मक व्यवस्था और स्त्री–प्रश्न
- विभिन्न स्त्रीवादी सम्प्रदाय :
  - उदारवादी सम्प्रदाय
  - समाजशास्त्रीय सम्प्रदाय
  - मनोवैज्ञानिक सम्प्रदाय
  - उग्रउन्मूलनवादी सम्प्रदाय
  - उत्तर आधुनिक चिंतन एवं स्त्रीवाद
- भारत में स्त्री आन्दोलन
  - भारतीय नवजागरण और स्त्री–प्रश्न
  - राष्ट्रीय मुक्ति आन्दोलन और स्त्री–प्रश्न
  - स्वतंत्र भारत में स्त्री–आन्दोलन
- प्रमुख स्त्रीवादी चिंतक एवं उनकी रचनाएँ : परिचयात्मक अध्ययन
  - स्त्रियों की पराधीनता : जे०एस० मिल
  - अपना कमरा : वर्जीनिया वुल्फ
  - स्त्री उपेक्षिता : सीमोन द बउवार
  - सीमंतनी उपदेश : अज्ञात हिंदू महिला
  - हिंदू स्त्री का जीवन : पं० रमाबाई
- हिंदी का स्त्री लेखन और स्त्री विमर्श
  - मीरांबाई हिन्दी की पहली स्त्री विमर्शकार
  - श्रृंखला की कड़ियों में निरूपित स्त्री–प्रश्न
  - 'ऐ लड़की' का स्त्री विमर्शवादी पाठ
  - 'इदन्नमम' में उभरती नई स्त्री छवि

सहायक पुस्तकें

१ स्त्री अधिकारों का औचित्य, मेरी वोल्स्टनक्राफ्ट, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।
२ स्त्रियों की पराधीनता, जे०एस० मिल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।
३ अपना कमरा, वर्जीनिया वुल्फ, संवाद प्रकाशन, मेरठ ।
४ स्त्री उपेक्षिता, सीमोन बोउवार, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।
५ विद्रोही स्त्री, जर्मेन ग्रीयर, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।
६ द ऑरिजन ऑफ फैमिली फ्रेडरिक एंगिल्स, प्राइवेट प्रॉपर्टी एंड स्टेट
७ स्त्रीत्व का मानचित्र अनामिका, सामयिक प्रकाशन
८ दुर्ग द्वार पर दस्तक, कात्यायनी, परिकल्पना प्रकाशन, लखनऊ ।
६ परिधि पर स्त्री, मृणाल पांडे, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
१० उपनिवेश में स्त्री, प्रभा खेतान, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।
११ एक नजर कृष्णा सोबती पर, डॉ० रोहिणी अग्रवाल, अखिल भारती प्रकाशन, दिल्ली ।
१२ समकालीन कथा साहित्य : सरहदें और सरोकार, डॉ० रोहिणी अग्रवाल, आधार प्रकाशन, पंचकूला ।
१३ इतिवृत्त की संरचना और संरूप, डॉ० रोहिणी अग्रवाल, आधार प्रकाशन, पंचकूला ।
१४ हिंदी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि, डॉ० लालचंद गुप्त 'मंगल', हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला
१५ जब स्त्रियों ने इतिहास रचा, कुसुम त्रिपाठी

<u>निर्देश :</u>

- पूरे पाठ्यक्रम में से आठ प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमे से परीक्षार्थी को चार प्रश्न करने होंगे । प्रत्येक प्रश्न के लिए २० अंक निर्धारित हैं।
- आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा हेतु परीक्षार्थी को किसी एक निर्धारित विषय पर आलेख एवं सेमिनार प्रस्तुत करना होगा । दोनों के लिए १०–१० अंक निर्धारित हैं ।

एम०फिल० द्वितीय सेमेस्टर
द्वितीय प्रश्न पत्र विकल्प (ii)
तुलनात्मक साहित्य : सिद्धान्त एवं प्रविधि

समय : ३ घण्टे

पूर्णांक : १०० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : २० अंक
लिखित : ८० अंक

१ तुलनातमक साहित्य : अवधारणात्मक परप्रेक्ष्य
२ स्वतंत्र अनुशासन के रूप में तुलनात्मक साहित्य का विकास
३ तुलनात्मक साहित्य के विविध वम्प्रदाय एवं उनके मॉडल
४ तुलनात्मक साहित्य : प्रविधि एवं उपादान
५ तुलनात्मक साहित्य एवं अन्तरविद्यावर्ती विवेचना
६ तुलनात्मक साहित्य के अध्ययन के प्रमुख आधार–
  (i) इतिहास, परम्परा एवं संस्कृति
  (ii) प्रवृत्तियॉ एवं आन्दोलन
  (iii) काव्य–रूप एवं विधाएँ
  (iv) प्रेरणा, प्रभाव एवं अभिग्रहण
  (v) विचारधारा
७ अनुवाद सिद्धान्त एवं तुलनात्मक साहित्य के अध्ययन में अनुवाद की भूमिका
८ भारतीय साहित्य की अवधारणा

संदर्भ ग्रन्थ

1 A History of Indian Literature (3 Vols.)/Sisir Kumar Das/Sahitya Akademi, N.D.
2 Comparative Literature:A critcal Introduction/Susan Bassnett/Blackwell.
3 Comparative Literature:Theory and Practice/Amiya Dev, Sisir Kumar Das (eds.)/IIAS Shimla & Allied Publishers, N.D.
4 Comparative Literature Studies:An Introduction/S.S.Prawer/Duckworth, New York.
5 Comparative Literature:Indian Dimension/SwapanMajumdar/Papyrus, Calcutta.
6 Comparative Literature:Theory, method, application/Zepetnek Stevan Totosy de/Rodopi Amsterdam
7 Death of a Discipline/Gayatri Chakravorty Spivak/Seagull Book, Calcutta
8 The Cocept of IndandLiterature/G.K. Gokak/Munshiram Manoharlal, N.D.
9 The Comparative Perspective on Literature%Approaches to theory & Practice/Koelv Clyton & Nokes Susan/Cornell U. Press, Ithaca
10 The Foundation of Indian Culture/Aurobondo/Pondicherry
11 The Idea of Comparative Literature in India/Amiya Dev/Papyrus, Calcutta

12 The Idea of Comparative Literature/C.L. Wrenn/Modern Humanities Research Association Leeds.
13 तुलनात्मक साहित्य/सं० नगेन्द्रध नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, नई दिल्ली ।
१४ तुलनात्मक साहित्य : भारतीय परिप्रेक्ष्य/इन्द्रनाथ चौधुरी/वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।
१५ प्राचीन भारतीय साहित्य का इतिहास/एम० विंटरनित्ज/मोतीलाल बनारसीदास, नई दिल्ली।
१६ भारतीय साहित्य : स्थापनाएँ और प्रस्तावनाएँ/के० सच्चिदानन्दन/राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
१७ संस्कृत साहित्य का इतिहास/ए०बी० कीथ/मोतीलाल बनारसीदास, नई दिल्ली।

निर्देश :

- पूरे पाठ्यक्रम में से आठ प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमे से परीक्षार्थी को चार प्रश्न करने होंगे । प्रत्येक प्रश्न के लिए २० अंक निर्धारित हैं।
- आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा हेतु परीक्षार्थी को किसी एक निर्धारित विषय पर आलेख एवं सेमिनार प्रस्तुत करना होगा । दोनों के लिए १०–१० अंक निर्धारित हैं ।

एम०फिल०, पीएच०डी० एवं यू०आर०एस० की संयुक्त प्रवेश परीक्षा का पाठ्यक्रम

समय : १ घण्टा १५ मिनट
कुल अंक : १००

पाठ्यक्रम

१	हिन्दी साहित्य का इतिहास	६० अंक
२	काव्यशास्त्र	२० अंक
३	भाषाविज्ञान एवं प्रयोजनमूलक हिन्दी	२० अंक

निर्देश

उपर्युक्त अंक विभाजन के आधार पर बनाए गए प्रश्नपत्र में सौ प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न वस्तुनिष्ठ प्रकृति का होगा जिसके उत्तर में चार विकल्प दिए जाएंगे । तीन विकल्प गलत तथा एक विकल्प सही होगा । परीक्षार्थी को सही विकल्प का चयन करना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए एक–एक अंक निर्धारित हैं । विश्वविद्यालय की परीक्षा नीति के नियमानुसार गलत उत्तर दिए जाने पर निगेटिव मार्किंग का प्रावधान है ।